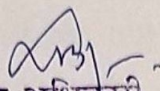


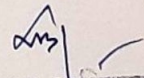
14.12.20

पञ्चम-पेशा/वजुलाम-उय  
वकील-पेशा/मामडा-कारण-उय  
का-निवेदन-दिनांक-पञ्चम-  
कारण-हेतु-डिमेक-17-12-20 का  
पेशा/य

  
उपखण्ड अधिकारी  
खीवसर (नागौर)


17.12.20

पञ्चम-पेशा/वजुलाम-उय  
कारण-मूल-प्रा-प्रा-251 N RT का  
की-सुनी-गई-पञ्चम-पेशा-  
हेतु-डिमेक-21.12.20 के-पेशा/य

  
उपखण्ड अधिकारी  
खीवसर (नागौर)

21.12.20

पञ्चम-पेशा/वजुलाम-उय  
वकील-पेशा/का-मूल-प्रा-प्रा-251-  
251-N के-निवेदन-दिनांक-  
विस्तृत-विषय-सुझा-के-लिख-नामा-  
कर-कार-रख-कार-शा-मि-प-  
दिनांक-पञ्चम-पेशा-सुझा-  
के-कार-कार-रख-कार-रख-कार

  
उपखण्ड अधिकारी  
खीवसर (नागौर)

अतः हस्तगत प्रकरण रा.का.अ. की धारा 251 अ में उल्लेखित रास्ता दिया जाने को दोनों ओर को देखा जाना आवश्यक है की :-

1. आत्यंतिक आवश्यकता न केवल सुविधा :-

जरिये प्रार्थना पत्र एवं दौराने बहस प्रार्थी ने दावा किया की उसकी कृषिगत आवश्यकताओं मध्य नजर रखते हुए उसे चाहे गये नजरी नक्शा अनुसार रास्ता की आत्यंतिक आवश्यकता है। प्रार्थी के द्वारा चाहा गया रास्ता का रकबा अधिक प्रभावित होता है। उक्त प्रावधान केवल के लिए नहीं है।

2. अन्य वैकल्पिक साधनों का अभाव :-

प्रार्थी ने जरिये प्रा.पत्र एवं विद्वान अधिवक्ता प्रार्थी ने दौराने बहस कथन किया कि अपने तक पहुँचने के लिये उसके पास अन्य वैकल्पिक साधनों का अभाव है। मगर प्रार्थी द्वारा खसरे में रास्ते की मांग की है ख.न. 57 में से रास्ता की मांग की जाती तो कम से कम प्रभावित होता। जिसका रकबा भी चाहा गये रास्ते से कम रकबा प्रभावित होता है जो नजरी से साबित होता है।

पत्रावली पर मौजूद रेकर्ड, एवं अप्रार्थी संख्या 04 से प्राप्त जाच रिपोर्ट एवं विद्वान अधिवक्ता एवं अप्रार्थी की बहस के आधार पर प्रार्थी का प्रा.पत्र अन्तर्गत धारा 251 अ एलआरएक्ट को कार नहीं किया जा सकता है क्योंकि ख.न. 204 गैर मुमकिन नाड़ी यानि तालाब है। ख.न. 58 के केचमेंट ऐरिया यानि पानी उसी ऐरिया से आता है राजस्थान उच्च न्यायालय के अब्दुलान प्रकरण के निर्णय अनुसार किसी भी जलग्रहण एवं भण्डारन यानि तालाब या नाड़ी में पानी में किसी प्रकार की बाधा नहीं होनी चाहिए। तथा प्रार्थी के पास ख.न. 57 में से रास्ते की मांग के का विकल्प मौजूद होने के बावजूद भी ख.न. 41/546 में से रास्ते की मांग करना न्यायसंगत है क्योंकि उक्त खसरा का मार्ग सरकार भूमि में नाड़ीपायतन में खुलता है प्रार्थी के द्वारा चाहा रास्ता खेत से बहुत लम्बा भी है यानि की (रकबा भी अधिक प्रभावित होता है) जबकि ख.न. प्रार्थी के खेत के बहुत ही पास है तथा रकबा भी कम से कम प्रभावित होता है।

आदेश

अतः प्रार्थी का प्रा.पत्र, पत्रावली पर मौजूद रेकर्ड, तहसीलदार खीवसर की रिपोर्ट एवं बहस आधार पर प्रार्थी उपरोक्त दोनों बिन्दु को साबित करने में असफल रहने पर प्रार्थी का प्रा.पत्र, प्रा.पत्र अन्तर्गत धारा 251 (अ) आर. टी. एक्ट को खारिज किया जाता है। पक्षकारान अपना ना खर्चा वहन करें।

राजकेश मीना RAS  
(उपखण्ड अधिकारी)  
खीवसर

उक्त निर्णय आज दिनांक : 21.12.2020 को सरे इजलास सुनाया गया।

राजकेश मीना RAS  
(उपखण्ड अधिकारी)